

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 10220

L

Unique Paper Code : 2132202402

Name of the Paper : Readings from Vedas

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit - DSC

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

छात्रों के लिए निर्देश / Instructions for Candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this questions paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
Answer any three questions out of the following-

3×15=45

(क) अथर्ववेद संहिता का विस्तृत परिचय दीजिए।
Give a detailed introduction to the Atharvaveda:

(ख) शिवसंकल्प सूक्त का मनोवैज्ञानिक निरूपण प्रस्तुत करें।
Present a Psychological explanation of the Shivasankalpa sukta.

(ग) ऋग्वेदीय अग्नि सूक्त के महत्व को समझाइए।
Explain a importance of the Rigvediya Agnisukta.

(घ) भूमिसूक्त की वर्तमान सन्दर्भ में प्रासंगिकता है। स्पष्ट करें।
Explain that the Bhoomi Sukta is relevant to the Present context.

(ङ) ब्राह्मण ग्रन्थों का सामान्य परिचय दीजिए।
Give a General Introduction to the Brahmana Texts.

P.T.O.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on any **three** of the following-

3×9=27

(क) उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय।
Explained of the upnishadas.

(ख) संज्ञान सूक्त की वर्तमान समाज में उपादेयता।
Relevance of the Present society to the Samjnana Sukta.

(ग) ऋग्वेद संहिता।
Rigveda Samhita.

(घ) तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।
Tanme Manah Shivasankalpamastu.

(ङ) वेदाङ्ग ग्रंथ।
Vedanga Texts

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर निबन्ध लिखिए-
Write short essay on any **one** of the following.

8

(अ) ऋग्वेदीय अक्षसूक्त की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता।
Relevance of the Present society to the Rigvediya Askha Sukta.

(ब) कठोपनिषद् में वर्णित तीन वरों पर प्रकाश डालिए।
Highlight that the three varas mentioned in the Kathupanishad.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति में) लिखिए-
Answer any **five** question on the following in short (one or two lines).

2×5=10

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (क) आरण्यक | Aranyaka |
| (ख) मन्त्र | Mantra |
| (ग) पुरोहित | Purohit |
| (घ) ऋषि | Rishi |
| (ङ) शिक्षा | Shiksha |
| (च) सायण | Sayan |
| (छ) छन्द | Chhanda |
| (ज) लोकमान्य तिलक | Lokamanya Tilak |